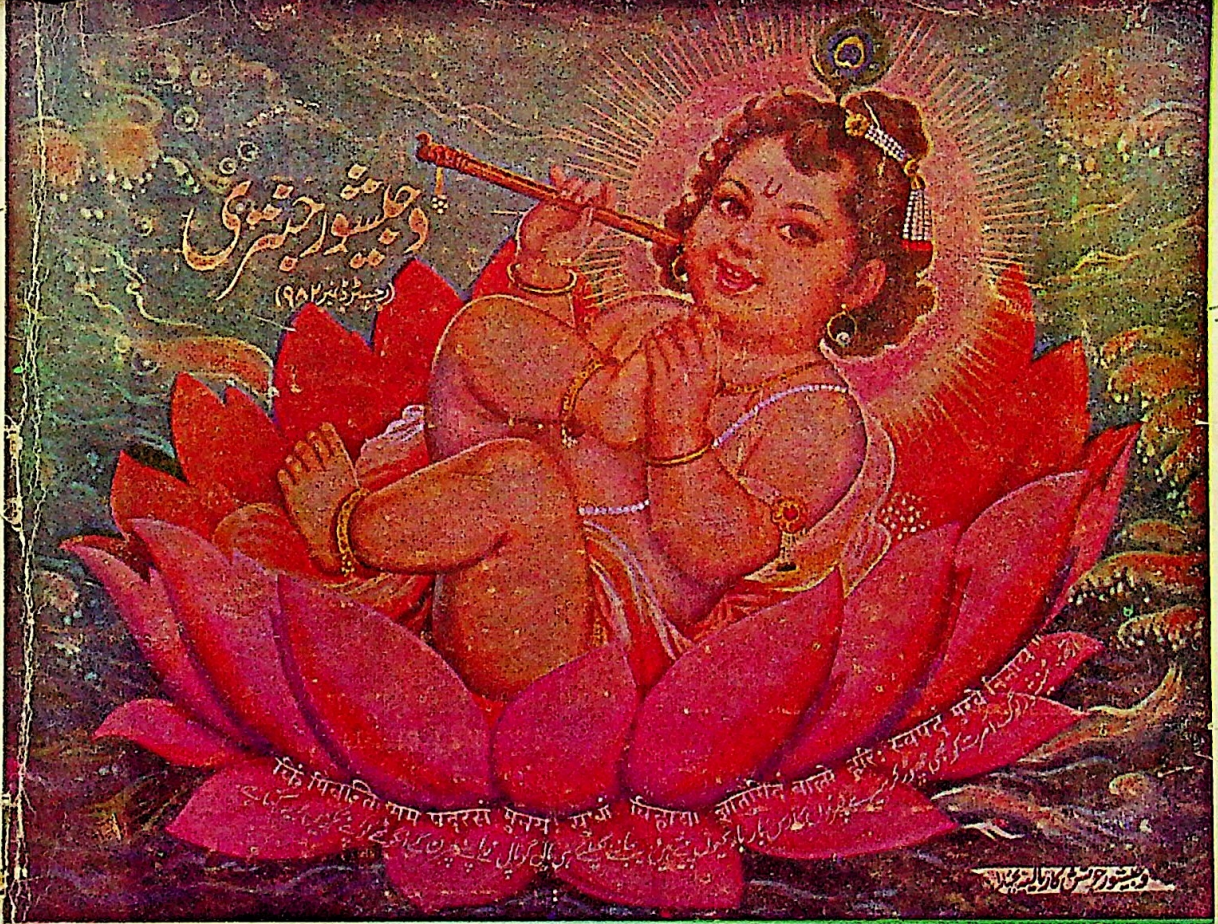


184-2438/0223/4322/1204



#14





AVAILABLE AT :

**SRI NAGAR (KASHMIR)**

Vijayshwar Jyotish Karalaya

Bij Bihara.

**KASHMIR PRINTING PRESS**

Tehsil Road, Anant Nag,

**DELHI**

**DEHATI PUSTAK BHANDAR**

Chawri Bazar, Delhi-110006

Tel No. 261080

**NEW DELHI**

**Shri K. N. JALA**

Pamposh Enclave, New Delhi

Tel. : 645299

**JAMMU**

**NAND LAL & SONS, Book Sellers**

Pakka Danga

**BHASIN STATIONERY STORE**

City Chowk

**GUPTA STATIONERY**

City Chowk

**विजयेश्वर जन्त्री के सम्पादक**



**ज्योतिषी प्रेमनाथ शास्त्री**











































CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri







CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri







[illegible]

१. अथिभवज ५.३५ सुमि ३. सं मम मि अक्षवसु कठिउं रणि ३. लं दी स मे के मा कः ०३३. म. १९३१ म. १९३१  
२. कृमभवज ९.०५ सुमि ३. सं मम मि अक्षवसु कठिउं रणि ३. लं दी स मे के मा कः ०३३. म. १९३१ म. १९३१

[illegible]







































[illegible]



















[illegible]











## प्राचीन मन्त्र, यन्त्र, तन्त्र, जादू व सामुद्रिक ग्रन्थ

असली प्रा. हस्तलि० मंत्र महाणव 171/-	असली प्रा. हस्तलि वृहद् मंत्र-मानण्ड 501/-
असली प्रा. हस्तलि० यंत्र महाणव 171/-	तन्त्र कौतुहलम् 251/-
असली प्रा. हस्तलि० तंत्र महाणव 171/-	तांत्रिक सर्वस्व 201/-
मंत्र-यंत्र-तंत्र विज्ञान-भास्कर 501/-	जादूगर कैसे बने? 24/- ताश मैजिक 24/-
वृहद् संहिता (संपूर्ण फलित ग्रंथ) 121/-	घर बैठे जादू सीखिये 24/- ताशके जादू 5/-
असली प्राचीन रावण संहिता 501/-	जादूगर बादशाह-10/- दत्तात्रेय तंत्र 10/-
अ.प्रा. हस्त. भृगुसंहिता महाशास्त्र 501/-	महात्मा रावण कृत उड्डीश तंत्र 10/-
सचित्र स्त्री पुरुष वशीकरण सिद्धि 21/-	इच्छापूर्क सिद्धियां (मनचांछित फल की प्राप्ति) 24/- सचित्र करामात 15/-
भूत-प्रेत, जादू टोना, मंतर मूठ 21/-	वृ.वि. सामुद्रिक वि (सं. दो खंड) 163/50
प्रेतात्मा, डाकिनी, ओप्राविद्या सिद्धि 21/-	असली प्राचीन सिद्धिदाना-यंत्र-तंत्र-मंत्र
देवी-देवता-पूजन यन्त्र 21/-	महाशास्त्र (सम्पूर्ण दोनों खंड) 201/-
सहाविद्यासिद्धि 21/- लघुमंत्रमहोदधि 21/-	कोआ यन्त्र-मन्त्र-तन्त्र सिद्धि 10/-
हमजाद (छाया पुरुष) सिद्धि 21/-	उल्लू यन्त्र-मन्त्र-तन्त्र सिद्धि 10/-
योगिनी सिद्धि 21/- भैरव सिद्धि 21/-	बाज, गिद्ध, मुर्गा यंत्र-तंत्र-मंत्र सिद्धि 10/-
यंत्र-शक्ति वि. 21/- तंत्र-शक्ति वि. 21/-	पंच पक्षी यंत्र-तंत्र-मंत्र सिद्धि 30/-
मंत्र-शक्ति वि. 21/- मोहनीवि. सिद्धि 21/-	यंत्र-मंत्र-तंत्र चिकित्सा 24/-
बटुक भैरव सिद्धि 21/- लक्ष्मी सिद्धि 21/-	प्राचीन सच्ची करामाती सिद्धियां 30/-
महाविकराल भैरव सिद्धि 21/-	शिवतन्त्रावली (शिवजी के तंत्र) 3/-
किलकारीभैरव सि. 21/- कामाक्षा. 21/-	हनुमत् सिद्धि 71/- मोहिनीमंत्र-तंत्र 21/-
ऋद्धि-सिद्धि मंत्रावली 21/-	प्राचीन यन्त्र-मन्त्र-तन्त्र सार 30/-
असली प्रा. सच्ची आकर्षणशक्तियां 24/-	अ. प्रा. हस्तलि. वृ. मंत्रमहोदधि 101/-
तांत्रिक साधन यंत्र, मंत्र, तंत्र सिद्धि 21/-	काला जादू (घर का मदारी) 10/-
वशीकरण मोहिनी विद्या (हिप्नोटिज्म) 21/-	चीन जापान बंगाल आसाम का जादू 51/-
सिद्ध रुद्राक्ष प्रयोग विधि 21/-	जादू मिस्मिरेजम् 10/- वशीकरणमंत्र 15/-
देवी देवता हनुमान, छाया पुरुष एवं	अ. प्रा. हस्तलि० भारत का जादू 51/-
यक्षिणी भैरव सिद्धि के प्रयोग 21/-	वृ. इन्द्रजाल (कौतुक रत्न भंडागार) 15/-
भूत-प्रेत, अथोर दक्षिणी विद्या सिद्धि 21/-	असली प्राचीन हस्तलि० इन्द्रजाल 31/-
मनोकामना, कामाख्या, अष्ट लक्ष्मी सिद्धि 21/-	असली प्राचीन डामर तन्त्र 21/-
रत्न-परिचय, रत्न-प्रदीप, रत्न विज्ञान 21/-	चौदह विद्या चौसठ कला 15/-
स्वास्तिक एवं ॐ रहस्य 21/-	मायामण्डरजाल 51/- जादूगरी शिक्षा 15/-
पुस्तक सिद्ध बीसा यन्त्र 21/-	दक्षिण का जादू (जिन्दा जादूगर) 15/-
शिव मंत्रावली (तंत्रावली सहित) 21/-	सांवरी तन्त्र (सेवड़े का जादू) 15/-
मिस्मिरेजम् हिप्नो शक्तिचक्र सम्मोहन 21/-	नवीन अपट्टेड जादूगरी (दोनों भाग) 48/-
अ. प्राचीन यंत्र-मंत्र-तंत्रशिरोमणि 321/-	

पता



**देहाती पुस्तक भण्डार** चावड़ी बाजार दिल्ली-6





सकल पवारय हे जग माहो । भाग्यहीन नर पावत नाही ॥

असली, प्राचीन, हस्तलिखित ग्रन्थ



## भृगुसंहिता महाशास्त्र (भा० टी०)

● प्राचीनकाल में जब कि आज की भांति छपाई आदि का प्रचलन नहीं था, हमारे ऋषियों-मुनियों ने ग्रन्थों की रचना करके अपनी शिष्य-परम्परा के अनुसार उन्हें अक्षरशः स्मरण कराकर इस ज्ञान भण्डार को आगे बढ़ाया था । तत्पश्चात् ताड़ वृक्ष के पत्तों तथा भोजपत्र आदि पर इन ग्रन्थों को लिखा गया । बाद के कालखण्ड में विधिमियों तथा आतंकवादियों ने इन ग्रन्थों को नष्ट करने का सामूहिक तथा भोजनावद्ध प्रयास किया । इसका परिणाम यह हुआ कि सर्वांगीण पूर्ण ग्रन्थ दुर्लभ हो गये । यदि कहीं कोई ग्रन्थ बचा तो उसके भी खण्ड-खण्ड हो गये अथवा विदेशी उठाकर ले गये । ऐसे ही दुर्लभ ग्रन्थों में 'भृगुसंहिता महाशास्त्र' की गणना होती है, जिसका केवल नाम सुना था । कहा जाता है, किसी समय भृगु ऋषि द्वारा विष्णु भगवान की छाती में लुप्त मारी जाने पर लक्ष्मी जी ने श्राप दिया था कि बाह्यण मदा निर्धन रहेंगे । तब भृगु जी ने लक्ष्मी जी से कहा था—“मैं एक ऐसा ग्रन्थ रचूंगा कि जिस किसी के पास यह महाग्रन्थ (भृगुसंहिता) होगा, लक्ष्मी सर्वदा उसका चरण-चुम्बन करेगी ।”

● अनेक अल्पज पंडित 'भृगुसंहिता महाशास्त्र' के असली होने में संशय करते हैं । यह ग्रन्थ प्राचीनकाल से श्रवणगोचर होता रहा है । कुछ पंडित एक ज्योतिषी जिनके पास हस्तलिखित ग्रन्थ का कुछ भाग पाया जाना है, वे कई पौढ़ियों से ग्रन्थ को दिखा सुनाकर जनता से उनकी कुण्डली का फलादेश बताकर 21/- (इक्कीस रुपये) से 551/- (पांच सौ इक्कावन) रुपये अथवा मंह-मागी दक्षिणा तक ले लेते हैं । श्री भृगु ऋषि रचित 'भृगुसंहिता' जंगा मूल, भविष्य वर्तमान का पूर्ण विवरण बताने वाला महाग्रन्थ आज तक देखा न गया था, हा नाम ही सुना था । ● इस ग्रन्थ को भाग्यवान हो प्राप्त कर सकता है ।

● संसार में कुछ भी असम्भवं नहीं है । अनेक वर्षों तक अनयक परिश्रम तथा हजारों रुपया खर्च करके, कुण्डली के आधार पर भूत, भविष्य, वर्तमान का फलादेश बताने वाला हस्तलिखित 'भृगुसंहिता महाशास्त्र' तैयार है ।

20 × 30/6 (पुराण साइज), खुले पत्राकार, हस्तलिखित 1,410 पृष्ठ, 14 खण्डों में सम्पूर्ण, ऑफसेट प्रिंट । इस विशाल ग्रन्थ में अगणित कुण्डली दी गई है । इस महाशास्त्र में वर्णित विधि अनुसार ससार के किसी भी व्यक्ति की जन्म-कुण्डली का फलादेश आसानी से जात हो जाता है । संस्कृत के श्लोको के साथ-साथ हिन्दी टीका इस ग्रन्थ की विशेषता है । सर्व जनापयोगी इस विशाल ग्रन्थ की न्योछावर 501/- (पांच सौ एक रुपये) है । ग्रन्थ मोर्मित सख्या में छपा है । अतः आज ही 51/- M.O. द्वारा भेजकर बाकी 450/- (चार सौ पचास) रुपये की बी० पी० पी० द्वारा घर बैठे ग्रन्थ प्राप्त करें ।



**देहाती पुरतक भण्डार**

चावडी बाजार, दिल्ली-६